https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

सी आर एम ओ

के संस्करण 2016

1. सी आर एम ओ क्या हे ?

1.1 यह क्या है ?

सी आर एम ओ (CRMO) सी एन ओ (CNO) नामक बीमारी का बहुत अधिक गंभीर रूप है। बच्चों और किशोरों में ज्यादातर ये घाव लंबी हड्डियों में पाए जाते हैं लेकिन यह ज़रूरी नहीं है। अस्थिपिंजर पर ये दाहक घाव कहीं पर भी आ सकते हैं। इसके अलावा इसका प्रभाव चमड़ी आँखे जोड़ों एवं अंदरुनी अंगों पर भी पड़ सकता है।

1.2 यह कितनी आम है ?

इस बीमारी की आवृत्ति का विस्तृत अध्ययन अभी नहीं किया गया है। यूरोपी देशों की राष्ट्रीय राजिस्ट्रियों से मिली आधार सामग्री (डेटा) से पता चला है कि 10,000 लोगों में से 1-5 लोगों में यह बीमारी पाई जा सकती है। इसमें कोई लिंग प्रबलता नहीं है।

1.3 बीमारी के कारण क्या है ?

बीमारी के कारण अज्ञात हैं ।लेकिन यह अनुमानित किया गया है यह बीमारी अनुरक्षा प्रणाली के उपद्रव से जुड़ी हुई है। हड्डियों के चयापचय से संबंधित कुछ दुर्लभ बीमारीयों के वहज से यह बीमारी हो सकती है जैसे-हयपोंपॉस्फेटेसिया, केमुराटी एंगेलमान सिन्ड्रोम, बिनाइन हायपरआस्टोसिस् पैकिडरमो पेरऑस्टोसिस एवं हिसटियोसायाटोसिस।

1.4 क्या यह बीमारी माता-पिता से मिलती है?

यह साबित नहीं हो पाया है किन्तु यह अनुमानित ज़रूर किया गया है। वास्तव में परिवार संबंधि स्थिति बहुत अल्पसंख्यक है।

1.5 मेरे बच्चों को यह बीमारी क्यों हुई? क्या इसे रोका जा सकता है ?

इसके कारण आज तक अज्ञात हैं। निवारक उपाय भी अज्ञात हैं।

1.6 क्या यह छुत से लगाने वाली बीमारी है?

नहीं ऐसा नहीं है। हाल ही में किए गए विश्लेषणों में संक्रामक एजंट जैसे बैक्टीरिया नहीं पाए गए हैं।

1.7 बीमारी के मुख्य लक्षण क्या है ?

मरीज़ अधिकतर हड्डियों एवं जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। इसलिए इसके विभेदक निदान किशोरावस्था में होने वाली इंडियोपेथिक आर्थराइटिस एवं बेक्टीरियल आस्टियोमायलिटिस हैं। नैदानिक परीक्षण करने पर आर्थराइटिस अधिकतर मरीज़ों में पाया जाता हैं। स्थानीय हड्डियों में सूजन एवं नर्मी का पाया जाना और लंगडाहट या प्रकार्य का नुकसान होना साधारण है। यह बीमारी चिरकारी एवं बारंबार होने वाली हो सकती है।

1.8 क्या हर बच्चों को एक जैसी बीमारी होती है ?

नहीं हर बच्चे में यह बीमारी अलग-अलग होती है। इसके अलावा किस हड्डी में यह बीमारी होती है, उसकी अवधि एवं लक्षणों की तीव्रता भी हर मरीज़ में अलगत होती है। उसी बच्चे को यह बीमारी का दौरा फिर पड़ने पर भी सारे लक्षण अलग हो सकते हैं।

1.9 क्या बच्चों में यह बीमारी बड़ों से भिन्न होती है?

सामान्य रूप से सी आर एम ओ बच्चों एवं बड़ों में एक समान लगती है। किन्तु चर्म संबंधी लक्षण वयस्कों में ज्यादा पाए जाते हैं जैसे सोरायसिस (अपरस) पुष्कृत मुँहासे आदि। वयस्कों में इस बीमारी को साफो कहते हैं (SAPHO). बच्चों और किशोरों में SAPHO (साफो) सिंड्रोम को सी आर एम ओ कहा जाता है ।